RNI Number : MPHIN/2016/70609

ISSN NUMBER : 2455-9814

Dhingra Family Foundation
USA

विभोम-स्वर

वैश्विक हिन्दी चिंतन की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका

वर्ष : 3, अंक : 11
अक्टूबर-दिसम्बर 2018
मूल्य 50 रुपये

इस अंक में

वर्ष : 3, अंक : 11

संपादकीय 5
मित्रनामा 7
साक्षात्कार
रेखा राजवंशी के साथ सुधा ओम ढींगरा की बातचीत 10
कथा कहानी
नाच-गान
उर्मिला शिरीष 13
बर्फ के आँसू
डॉ.पुष्पा सक्सेना 17
गहरे तक गड़ा कुछ
डॉ. रमाकांत शर्मा 21
तुरपाई
वीणा विज 'उदित' 26
आहटें
सुदर्शन प्रियदर्शिनी 29
अब मैं सो जाऊँ...
डॉ. गरिमा संजय दुबे 32
बस एक अजूबा
नीलम कुलश्रेष्ठ 35
मजनू का टीला
नीरज नीर 39
लघुकथाएँ
ममता
डॉ. आर बी भण्डारकर 28
अनन्य भक्त
गौरैया प्रेम
सुभाष चंद्र लखेड़ा 31
पश्चाताप
मुर्दों के सम्प्रदाय
डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी 38
करेले की बेल
किशोर दिवसे 44
रक्षा-बंधन
विश्वम्भर पाण्डेय 'व्यग्र' 44
और वह लौट गया
मुरलीधर वैश्णव 55
भाषांतर
संतरा
पोलिश कहानी - वलेरियन डोमेंस्की
अनुवादक- मलय जैन 45
जे. तेकुरा मेसन
अनुवादक- डॉ. अमित सारवाल 69
व्यंग्य
भाया बजाते रहो
स्वाति श्वेता 47
दृष्टिकोण
चिन्तन के पल
शशि पाधा 51
व्यक्ति विशेष
मुंशी हीरालाल जी जालोरी
मंजु 'महिमा' 53
शहरों की रूह
चिनार ने कहा था
मुरारी गुप्ता 56
ग़ज़लें
अनिरुद्ध सिन्हा 50
शिज्जु शकूर 51
नुसरत मेहदी 60
दोहे
डॉ. गोपाल राजगोपाल 59
कविताएँ
जालाराम चौधरी 61
गीता घिलोरिया 61
रोहित ठाकुर 62
पंखुरी सिन्हा 63
प्रीती पांडे 64
केशव शरण 65
नवगीत
शिवानन्द सिंह 'सहयोगी' 67
गरिमा सक्सेना 68
सोनरूपा विशाल 68
समाचार सार
बिलासपुर में राष्ट्रीय व्यंग्य महोत्सव 70
'चारों ओर कुहासा है', का लोकार्पण 70
'नए समय का कोरस' पर चर्चा 70
मदारीपुर जंक्शन पर चर्चा आयोजित 71
व्यंग्य की कलम से आयोजन 71
मुंबई में साहित्य समारोह 71
अनिल शर्मा की पुस्तक का लोकार्पण 71
चलो, रेत निचोड़ी जाए 72
आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा शताब्दी समारोह 72
'सृजन संवाद' की हीरक जयंति 72
'नव अर्श के पांखी' का विमोचन 72
हिंदी कार्यशाला 72
'अभिनव प्रयास' काव्य समारोह 72
अर्चना नायडू सम्मानित 73
अशोक मिज़ाज की चुनिंदा ग़ज़लें 73
सुँदर काण्ड : भावनुवाद 73
'ओम फट फटाक' का लोकार्पण 73
पूरन सिंह को दलित अस्मिता सम्मान 73
डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी को लमही सम्मान 73
शांतिलाल जैन को सम्मान 73
आख़िरी पन्ना 74

विभोम-स्वर सदस्यता प्रपत्र

यदि आप विभोम-स्वर की सदस्यता लेना चाहते हैं, तो सदस्यता शुल्क इस प्रकार है : 200 रुपये (एक वर्ष), 400 रुपये (दो वर्ष), 1000 रुपये (पाँच वर्ष), 3000 रुपये (आजीवन)। सदस्यता शुल्क आप चैक / ड्राफ़्ट द्वारा विभोम स्वर (VIBHOM SWAR) के नाम से भेज सकते हैं। आप सदस्यता शुल्क को विभोम-स्वर के बैंक खाते में भी जमा कर सकते हैं, बैंक खाते का विवरण इस प्रकार है : Name of Account : **Vibhom Swar**, Account Number : **30010200000312**, Type : **Current Account**, Bank : **Bank Of Baroda**, Branch : **Sehore (M.P.)**, IFSC Code : **BARB0SEHORE** (Fifth Character is "Zero")
(विशेष रूप से ध्यान दें कि आई. एफ. एस. सी. कोड में पाँचवा कैरेक्टर अंग्रेज़ी का अक्षर 'ओ' नहीं है बल्कि अंक 'ज़ीरो' है।)
सदस्यता शुल्क के साथ नीचे दिये गए विवरण अनुसार जानकारी ईमेल अथवा डाक से हमें भेजें जिससे आपको पत्रिका भेजी जा सके:

नाम : _____ **डाक का पता :** _____

_____ **सदस्यता शुल्क :** _____ **चैक / ड्राफ़्ट नंबर :** _____

ट्रांज़ेक्शन कोड (यदि ऑनलाइन ट्रांसफ़र किया है) : _____ **दिनांक :** _____

(यदि सदस्यता शुल्क बैंक खाते में नकद जमा किया है तो बैंक की जमा रसीद डाक से अथवा स्कैन करके ईमेल द्वारा प्रेषित करें।)

संपादकीय एवं व्यवस्थापकीय कार्यालय : पी. सी. लैब, शॉप नंबर. 3-4-5-6, सम्राट कॉम्प्लैक्स बेसमेंट, बस स्टैंड के सामने, सीहोर, म.प्र. 466001, दूरभाष : 07562405545, मोबाइल : 09806162184, ईमेल : vibhomswar@gmail.com

प्रेम को व्यापार कर बैठे
ज़िन्दगी रफ़्तार कर बैठे
जो नहीं था ज़िन्दगी का सच
झूठ वो स्वीकार कर बैठे

सच को सच कहता हुआ दर्पण
साथ अपने ले गया बचपन !

होके अपने आप तक सीमित
साधते हैं सिर्फ़ अपना हित
स्वार्थ की पगडंडियों पे चल
कर रहे हैं ख़ुद को संचालित

भोर की किरणों सा भोलापन
साथ अपने ले गया बचपन

एक सीधा सा सरल सा मन
साथ अपने ले गया बचपन !
***

गीत गाना है मुझे सद्‌भाव का

कालिमा के कंचनी बदलाव का
गीत गाना है मुझे सद्‌भाव का

चाँद से लेती किराया रात क्या ?
भेद करती है किसी से प्रात क्या ?
फूल देते हैं कभी आघात क्या ?
पेड़ के बैरी बने हैं पात क्या ?

प्रश्न जो समझा रहे उस भाव का
गीत गाना है मुझे सद्‌भाव का

सर्द से रिश्तों को गर्माहट मिले
सूनी गलियों को मधुर आहट मिले
गुमशुदा नावों को अपना तट मिले
हर रुदन को शीघ्र मुस्काहट मिले

इन क्षणों के सुखमई बदलाव का
गीत गाना है मुझे सद्‌भाव का

कालिमा के कंचनी बदलाव का
गीत गाना है मुझे सद्‌भाव का
***

संपर्क : 'नमन', प्रोफ़ेसर्ज़ कॉलोनी,बदायूँ, उत्तर प्रदेश 243601
ईमेल: sonroopa.vishal@gmail.com

भाषांतर

जे. तेकुरा मेसन

अनुवादक- डॉ. अमित सारवाल

पैसिफिक कवि जे. तेकुरा मेसन की पुस्तक टैटू (2001) से चुनी गई कविताओं का हिंदी अनुवाद।

पुराने आशिक़

पुराने आशिक़ों की उफ़ तुम्हारी बातें पकाती हैं,
रखो इनको अपने दिमाग़ के
अँधेरे कोनों में
मत करो अभिव्यक्त उसको जो मैं चाहती नहीं सुनना;
रहने दो उन्हें अतीत में जहाँ हैं उनका ठिकाना,
हम है अलग अब एक दुनिया और जीवन-काल।
मत समझो मुझे इतना भी सभ्य,
मैं बात कर सकती हूँ अंग्रेज़ी में, पहनती हूँ पाश्चात्य वस्त्र
परन्तु मेरे अंदर का जंगली चाहता है की मैं ले जाऊँ मेरे शूल उनके पास।
(जहाँ तक मेरा संबद्ध हैं, तुम थे अक्षतवीर्य जब मैं तुमसे मिली थी।)
***

(जे. तेकुरा मेसन, "पुराने आशिक़", टैटू, सुवा: माना पब्लिकेशन और इंस्टिट्यूट ऑफ़ पैसिफिक स्टडीज़, यूनिवर्सिटी ऑफ़ दी साउथ पैसिफिक, 2001, पृ. 36.)

शरद के पेड़

जब मैं यहाँ आई थी पहली बार
तुम लगे थोड़े अजब
तुम्हारी पत्तियों ने बदला रंग
हरे से हुई लाल
और फिर सुनहरी
अब मैं यहाँ हूँ कुछ समय से
जान गई हूँ तुम सबके नाम भी
और क़दर करने लगी हूँ
अंतर की
तुम्हारे
और उनके बीच जिन्हें आई हूँ मैं छोड़।

(जे. तेकुरा मेसन, "शरद के पेड़", टैटू, सुवा: माना पब्लिकेशन और इंस्टिट्यूट ऑफ़ पैसिफिक स्टडीज़, यूनिवर्सिटी ऑफ़ दी साउथ पैसिफिक, 2001, पृ. 98.)
***

संपर्क: Senior Lecturer, School of Language, Arts & Media, Faculty of Arts, Law & Education, The University of the South Pacific, Private Mail Bag, Laucala Campus, Suva, Fiji Islands
ईमेल : amit.sarwal@usp.ac.fj
sarwal.amit@gmail.com
मोबाइल: (+679) 3231648 / (+679) 7151007